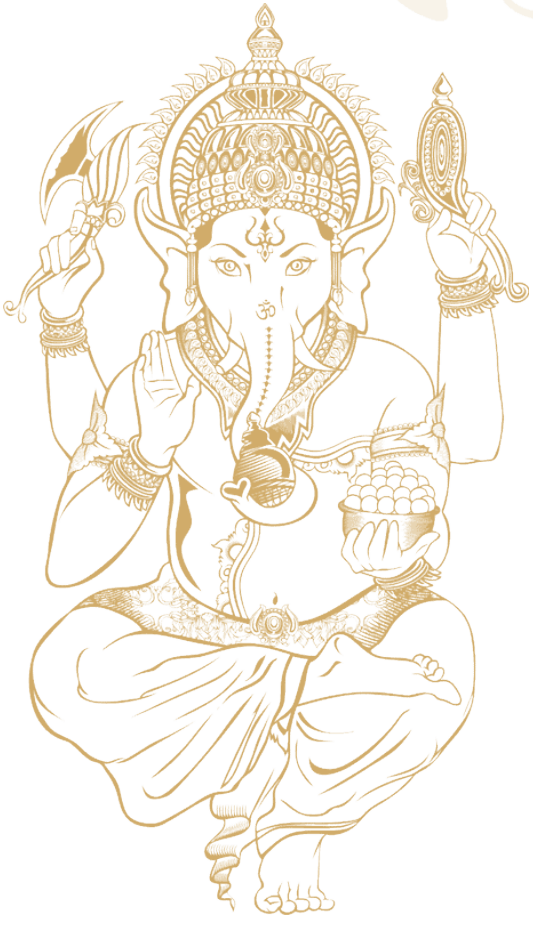

Vikash kumar mishra

28 Oct 1985

09:10 PM

Siwan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121406102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/10/1985**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:10:00 घंटे**
इष्ट	37:57:18 घटी
स्थान	**Siwan**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:14:00 उत्तर
रेखांश	84:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:17:24 घंटे
वेलान्तर	00:16:13 घंटे
साम्पातिक काल	23:45:07 घंटे
सूर्योदय	05:59:04 घंटे
सूर्यास्त	17:13:36 घंटे
दिनमान	11:14:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:30:28 तुला
लग्न के अंश	14:07:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:07:52	321:47:43	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	11:30:28	00:59:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मेष	10:37:28	11:49:27	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	06:58:55	00:37:37	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	02:22:13	01:20:06	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			मक	14:30:19	00:04:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कन्या	21:23:13	01:14:45	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि			वृश्चि	04:04:52	00:06:47	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	15:31:13	00:00:07	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	15:31:13	00:00:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	22:05:52	00:02:59	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
नेप			धनु	07:46:02	00:01:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	11:02:42	00:02:26	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मीन	02:17:10	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:20

लग्न-चलित

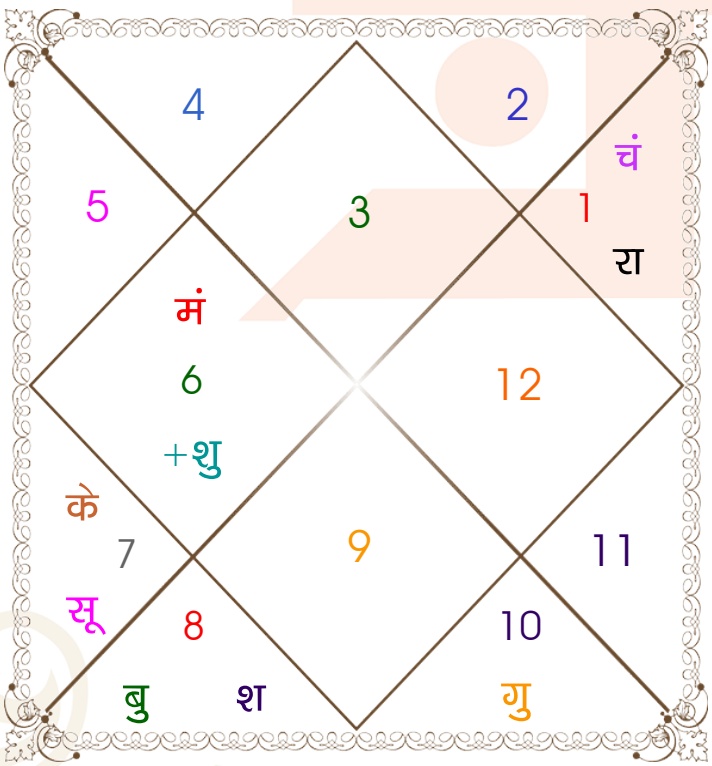

चन्द्र कुंडली

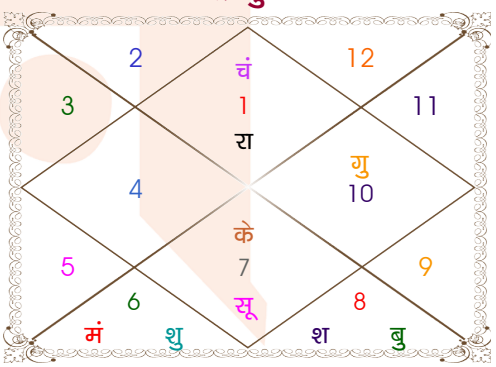

नवमांश कुंडली

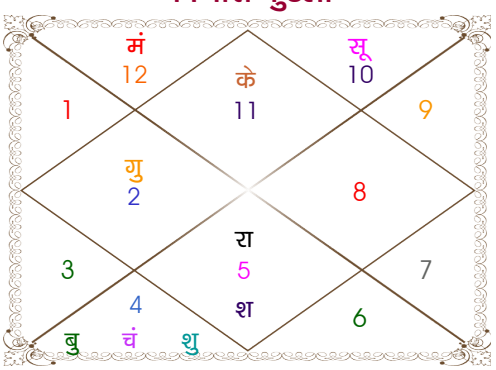

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/10/1985		01/04/1987		01/04/2007		31/03/2013		01/04/2023	
01/04/1987		01/04/2007		31/03/2013		01/04/2023		01/04/2030	
	00/00/0000	शुक्र	31/07/1990	सूर्य	19/07/2007	चंद्र	30/01/2014	मंगल	28/08/2023
	00/00/0000	सूर्य	01/08/1991	चंद्र	18/01/2008	मंगल	31/08/2014	राहु	14/09/2024
	00/00/0000	चंद्र	31/03/1993	मंगल	25/05/2008	राहु	01/03/2016	गुरु	21/08/2025
	00/00/0000	मंगल	31/05/1994	राहु	19/04/2009	गुरु	01/07/2017	शनि	30/09/2026
	00/00/0000	राहु	31/05/1997	गुरु	05/02/2010	शनि	30/01/2019	बुध	27/09/2027
	00/00/0000	गुरु	30/01/2000	शनि	18/01/2011	बुध	30/06/2020	केतु	24/02/2028
	28/10/1985	शनि	01/04/2003	बुध	24/11/2011	केतु	29/01/2021	शुक्र	25/04/2029
शनि	04/04/1986	बुध	30/01/2006	केतु	31/03/2012	शुक्र	30/09/2022	सूर्य	30/08/2029
बुध	01/04/1987	केतु	01/04/2007	शुक्र	31/03/2013	सूर्य	01/04/2023	चंद्र	01/04/2030

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/04/2030		31/03/2048		31/03/2064		01/04/2083		01/04/2100	
31/03/2048		31/03/2064		01/04/2083		01/04/2100		00/00/0000	
राहु	12/12/2032	गुरु	19/05/2050	शनि	04/04/2067	बुध	27/08/2085	केतु	28/08/2100
गुरु	07/05/2035	शनि	30/11/2052	बुध	12/12/2069	केतु	25/08/2086	शुक्र	28/10/2101
शनि	13/03/2038	बुध	07/03/2055	केतु	21/01/2071	शुक्र	25/06/2089	सूर्य	05/03/2102
बुध	30/09/2040	केतु	11/02/2056	शुक्र	22/03/2074	सूर्य	01/05/2090	चंद्र	04/10/2102
केतु	18/10/2041	शुक्र	12/10/2058	सूर्य	04/03/2075	चंद्र	30/09/2091	मंगल	02/03/2103
शुक्र	18/10/2044	सूर्य	01/08/2059	चंद्र	03/10/2076	मंगल	27/09/2092	राहु	20/03/2104
सूर्य	12/09/2045	चंद्र	30/11/2060	मंगल	12/11/2077	राहु	16/04/2095	गुरु	24/02/2105
चंद्र	14/03/2047	मंगल	05/11/2061	राहु	18/09/2080	गुरु	22/07/2097	शनि	29/10/2105
मंगल	31/03/2048	राहु	31/03/2064	गुरु	01/04/2083	शनि	01/04/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।